देश की आत्मा के साथ जुडऩा है तो हिन्दी का गहन ज्ञान प्राप्त करना होगा- राज्यपाल 18.04.2017

जीन्द 18 अप्रैल हरियाणा के राज्यपाल प्रौ० कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि दुनिया के साथ जुडऩा है तो अंग्रेजी भाषा पर पकड़ मजबूत करनी होगी और अगर देश की आत्मा के साथ जुडऩा है तो हिन्दी भाषा का गहन ज्ञान प्राप्त करना होगा। टैक्रोलोजी के बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता और टैक्रोलोजी की जानकारी हासिल करने के लिए अंग्रेजी सीखना बहुत जरूरी हैं, इसलिए युवा अंग्रेजी भाषा समेत विश्व की मुख्य भाषाओं का भी ज्ञान प्राप्त करें।

महामहिम राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने यह विचार मंगलवार को चौ० रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार एवं उपकुलपति निवास भवन का उद्घाटन किया और जल घर, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट , पिंग कॉम्पलैक्स तथा दो शैक्षणिक ब्लॉक बनाने के लिए नींव का पत्थर भी रखा। उन्होंने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों का आह्वन करते हुए कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करें। ऐसा करके वे अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम रोल अदा कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए पर्स, पर्सनेल्टी , पीयूपल तथा फिलोसपी का फोर पी मंत्र भी दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को फोर पी का मतलब समझाते हुए कहा कि पर्स का मतलब पैसा, पर्सनेल्टी का मतलब व्यक्तित्व, पीयूपल का मतलब लोगों के साथ आत्मीयता के साथ जुड़ाव तथा फिलोसपी का मतलब व्यक्ति को

समझना है। उन्होंने कहा कि इस फोर पी के सिंद्वात पर चलकर जीवन में सफलता की बुलदियों को छुआ जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पैसा सब कुछ नहीं है, पैसा तो मात्र आगे बढऩे का साधन है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं देते बल्कि व्यक्ति का सर्वंगीण विकास करते हैं। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन में आगे बढऩे के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी जाती है। जिससे विद्यार्थी की सोचने का दायरा बढ़ता हैं। जिसकी बदौलत वह देश को आगे ले जाने का काम करता है। चौ० रणबीर सिंह विश्वविद्यालय एक ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने कुछ ही समय में अपना एक अलग रूतबा कायम कर लिया है। इस विश्वविद्यालय में क्षेत्र के लोगों के साथ भी आत्मीयता का सम्बंध बना दिया है। जिसका प्रमाण दीक्षांत समारोह में जिलाभर के विभिन्न गांवों से आए सरपंच व अन्य मौजिज लोग दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों की सेहत का भी विशेष ध्यान रख रहा हैं। यह पहला विश्वविद्यालय है जिसमें सभी विद्यार्थियों का हीमोग्लोबिन चैक किया गया और इसको बढ़ाने के लिए सकारात्मक प्रयास विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किए गए। उन्होंने एक-एक विश्वविद्यालय की कई खूबियों को गिनवाते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय इस इलाके के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में यहां कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2014 में इस रीजनल सैंटर को विश्वविद्यालय का दर्जा मिला। इस विश्वविद्यालय को फलता-फूलता देखकर दिल को सकून मिला हैं।

केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौ० बीरेन्द्र सिंह ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में आने वाली बाधाओं से कभी न घबराएं बल्कि मजबूती से इनका सामना करें। निश्चित रूप से आपकी जीत होगी। उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करना अलग बात है और जीवन में सफलता हासिल करना अलग चीज हैं। जीवन में सफल होने के लिए विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित करे और इसको प्राप्त करने के लिए कठिन मेहनत करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं है। इसलिए उच्च गुणवत्ता परक शिक्षा प्राप्त कर इसे हथियार के रूप में प्रयोग करते हुए जीवन में आने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त करें।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। विकास की इस गति को और तेज करने में युवा अच्छा खासा योगदान अदा कर सकते हैं। युवाओं को चहिए कि वे अपने खुद के विकास के लिए खूब मेहनत करें । अगर युवा विकास करते है तो देश अपने आप आगे बढ़ता चला जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने भी अंग्रेजी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि इस भाषा का ज्ञान प्राप्त कर युवा विश्वभर की किताबों में भरे ज्ञान को अर्जित कर सकते हैं। इसलिए अंग्रेजी ही नहीं बल्कि अन्य देशों की भाषाओं को भी सीखें।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने 13 एम.फिल पास तथा स्नातकोत्तर पास विद्यार्थियों को डिग्री भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय समारिका नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में सोनीपत लोकसभा क्षेत्र से सांसद रमेश कौशिक सफीदों से विधायक जसबीर देशवाल,उचानाकलां की विधायक प्रेमलता, यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डा. रणजीत सिंह ,डीसी विनय सिंह , पुलिस अधीक्षक

शशांक आनंद, स्वामी राघवानंद व भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी तथा क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

1st Convocation Ceremony
April 18, 2017
Chaudhary Ranbir Singh University, Jind
Chief Guest
Prof. Kaptan Singh Solanki
Chaudhary Birender Singh
Guest of Honor
Prof. Ram Bilas Sharma

of. Kaptan Singh Solanki
Hon'ble Governor & Chancellor
Guest of

Solanki
Singh

Chaudhary Ranbir Singh University,
Chief Guest
Prof. Kaptan Singh Solanki
Hon'ble Governor & Chancellor

1st Convocation Ceremony
April 18, 2017
Chaudhary Ranbir Singh University, Jind
Prof. Kaptan Singh Solanki
Chaudhary Birender Singh